



## जनजातीय गौरव दिवस 2025 कार्यक्रम के आयोजन पर रिपोर्ट

### Report on celebration of Tribal Pride Day 2025 Programme

---

भा॰वा॰अ॰शि॰प॰-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150<sup>वीं</sup> जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर, 2025 को अपने संस्थान एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, ताबो, लाहौल और स्पीति में जनजातीय गौरव दिवस 2025 मनाया। संस्थान की निदेशक डॉ. मनीषा थपलियाल ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की और स्वतंत्रता संग्राम में उनके महान योगदान के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, वनों और जैव विविधता के संरक्षण में स्वदेशी जनजातीय समुदायों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, ताबो, में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ताबो के 40 जनजातीय विद्यार्थियों के बीच एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को जैव विविधता के संरक्षण में आदिवासियों की भूमिका सेके बारे में अवगत करवाया गया। छात्रों को जूनिपेरस पॉलीकार्पोस के प्रदर्शन स्थल पर भी ले जाया गया तथा उन्हें शीत मरुस्थल क्षेत्र के लिए प्रजातियों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

ICFRE-Himalayan Forest Research Institute Shimla celebrated Janjatiya Gaurav Divas 2025 on 15<sup>th</sup> November, 2025 at its institute and Field Research Station Tabo to commemorate the 150<sup>th</sup> birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda, the great tribal stalwart leader and freedom fighter. Dr. Manisha Thapliyal, Director of the institute paid floral tribute to Bagwan Birsa Munda and briefed about his great contribution in freedom struggle. Besides, role of indigenous tribal communities in preserving forests and biodiversity was also discussed. Another programme was organized at field research

station of institute at Tabo Lahaul & Spiti amongst 40 tribal students of government senior secondary school Tabo. They were apprised about role of tribals in conservation of biodiversity. Students were also taken to demonstration plot of *Juniperous polycarpus* and were briefed about the importance of species for cold desert region.







\*\*\*\*\*